पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच हॉर्मुज जलडमरूमध्य के पास फंसे व्यापारिक

UPSC प्रासंगिकता:

- GS पेपर I – **विश्व भूगोल (महत्वपूर्ण जलडमरूमध्य)**
- GS पेपर II – **अंतर्राष्ट्रीय संबंध**
- GS पेपर III – **ऊर्जा सुरक्षा**

चर्चा में क्यों?

- पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हॉर्मुज जलडमरूमध्य (Strait of Hormuz) के पास 250 तेल और गैस वाहकों सहित 600 से अधिक जहाज फंसे हुए हैं।
- जहाजों पर हमलों और उच्च 'युद्ध जोखिम बीमा प्रीमियम' (war risk insurance premiums) ने समुद्री यातायात को तेजी से कम कर दिया है, जिससे वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और भारत के तेल आयात पर चिंताएँ बढ़ गई हैं।

हॉर्मुज जलडमरूमध्य (Strait of Hormuz) के बारे में

हॉर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा व्यापार के लिए दुनिया के सबसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण समुद्री 'चोकपॉइंट्स' (chokepoints) में से एक है।

स्थान (Location)

- यह उत्तर में **ईरान** और दक्षिण में **ओमान** तथा **संयुक्त अरब अमीरात** के बीच स्थित है।
- यह **फारस की खाड़ी** (Persian Gulf) को **ओमान की खाड़ी** और आगे **अरब सागर** से जोड़ता है।

रणनीतिक महत्व

- दुनिया की तेल और गैस आपूर्ति का लगभग **पांचवां हिस्सा** इस संकीर्ण जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है।
- प्रमुख तेल निर्यातक जैसे:
    - सऊदी अरब
    - ईरान
    - इराक
    - कुवैत
    - कतर
- वैश्विक बाजारों में ऊर्जा संसाधनों को भेजने के लिए इसी मार्ग पर निर्भर हैं।

भौगोलिक विशेषताएं

- यह जलडमरूमध्य अपने सबसे संकीर्ण बिंदु पर लगभग **33 किमी** चौड़ा है।
- शिपिंग लेन (जहाजों के रास्ते) प्रत्येक दिशा में केवल कुछ किलोमीटर चौड़े हैं, जो इस क्षेत्र को व्यवधानों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील बनाते हैं।

वर्तमान संकट के निहितार्थ

1. वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में व्यवधान

चूंकि वैश्विक तेल व्यापार का एक बड़ा हिस्सा इस जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है, इसलिए कोई भी व्यवधान:

- वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों को बढ़ा सकता है।
- ऊर्जा आपूर्ति के झटके (shocks) पैदा कर सकता है।
- ऊर्जा आयातक अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित कर सकता है।

2. समुद्री बीमा लागत में वृद्धि

बीमा कंपनियां 'युद्ध जोखिम बीमा प्रीमियम' बढ़ा रही हैं, जो अब प्रति पारगमन (transit) जहाज की लागत का 1-3% होने का अनुमान है। इस क्षेत्र में चलने वाले जहाजों को 10-15 गुना अधिक बीमा लागत का भुगतान करना पड़ सकता है।

3. वैश्विक शिपिंग और व्यापार पर प्रभाव

रिपोर्टों से पता चलता है कि जलडमरूमध्य के माध्यम से जहाजों के पारगमन में 95% **की गिरावट** आई है। इसके परिणामों में शामिल हैं:

- माल की डिलीवरी में देरी।
- माल ढुलाई (freight) शुल्क में वृद्धि।
- आपूर्ति श्रृंखला (supply chain) में व्यवधान।

IAS PCS Institute

4. भारत के लिए निहितार्थ

पश्चिम एशियाई ऊर्जा आयात पर भारी निर्भरता के कारण भारत विशेष रूप से संवेदनशील है:

- फंसे हुए तेल और गैस जहाजों में से लगभग **10% भारतीय ध्वज वाले जहाज** हैं।
- कथित तौर पर 'शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया' के स्वामित्व वाले जहाज इस क्षेत्र में फंसे हुए हैं।
- बढ़ती माल ढुलाई और बीमा लागत भारत के तेल आयात बिल और ईंधन मुद्रास्फीति (inflation) को बढ़ा सकती है।

5. भू-राजनीतिक और सुरक्षा जोखिम

यह संकट भू-राजनीतिक संघर्षों के दौरान वैश्विक समुद्री चोकपॉइंट्स की संवेदनशीलता को भी उजागर करता है। शिपिंग मार्गों को सुरक्षित करने के लिए अमेरिका जैसी प्रमुख शक्तियों द्वारा नौसैनिक तैनाती आवश्यक हो सकती है।

Result Mitra
रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

निष्कर्ष

हॉर्मुज जलडमरूमध्य के पास चल रहा संकट वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा और समुद्री व्यापार में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। कोई भी लंबा व्यवधान तेल बाजारों, शिपिंग लागत और आर्थिक स्थिरता के लिए दूरगामी परिणाम दे सकता है, विशेष रूप से भारत जैसे ऊर्जा आयातक देशों के लिए।